भीलवाड़ा में भोले-भाले लोगों से 21 लाख की ठगी, फरीदाबाद से दो शातिर गिरफ्तार

आरोपियों ने भोले-भाले परिवार को असली सोना दिखाकर मिट्टी की ढेरी थमा दी थी

भीलवाड़ा, (निसं)। कीमती धातु का लालच और अटूट भरोसा, कभी-कभी जिंदगी भर की कमाई पर भारी पड़ जाता है। गांधीनगर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी और जालसाजी का एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पुलिस प्रशासन के भी होश उड़ा दिए। एक शातिर अंतराज्यीय गिरोह ने एक भोले-भाले परिवार में सेंध लगाकर असली सोने के नाम पर मिट्टी की ढेरी थमा दी और 21 लाख रुपये नकद समेत सोने के गहने लेकर चंपत हो गया। हालांकि, पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद से गिरोह के दो शातिर बदमाशों को दबोच लिया है।

दूध बेचने के बहाने घर में घुसा, रचा पारिवारिक माहौल : गांधीनगर थाना एसएचओ पुष्पा कसोटिया ने बताया कि यह गिरोह नए शहरों में जाकर पहले रेकी करता था। आरोपी कभी गाय का दूध बेचने तो कभी जैकेट-सामान बेचने के बहाने मोहल्लों में घूमते और सीधे-साधे लोगों को निशाना बनाते थे।

> ■ आरोपी कभी गाय का दूध बेचने तो कभी जैकेट-सामान बेचने के बहाने मोहल्लों में घूमते और सीधे-साधे लोगों को निशाना बनाते थे

इसी दौरान आरोपी ने खुद को हरियाणा का बताकर बाबा धाम क्षेत्र निवासी जगदीश पुत्र तेजू प्रजापत के घर में घुसपैठ की। शातिर ने परिवार के सदस्यों से ऐसा आत्मीय संबंध बनाया कि किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं हुआ। परिवार का विश्वास हासिल करने के बाद आरोपी ने झांसा दिया कि उसके पास सोने के कुछ कंकड़ हैं, जिन्हें वह बेचना चाहता है। भरोसा पक्का करने के लिए उसने शुरुआत में जांच के लिए असली सोने के कण दिए। जब परिवादी ने सुनार से जांच कराई, तो सोना 100 असली निकला। आरोपी के झांसे में आकर परिवादी जगदीश ने रिश्तेदारों से उधार लेकर, पर्सनल लोन करवाकर और घर के कीमती गहने बेचकर जैसे-तैसे 21 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि जुटाई। सौदा तय होने पर आरोपी ने हाथ की सफाई दिखाई और असली सोने की थैली की जगह मिट्टी की ढेरी थमा दी तथा 21 लाख रुपये लेकर फरार हो गया।

ठगी का अहसास होते ही पीड़ित परिवार ने पुलिस की शरण ली। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएचओ पुष्पा कसोटिया के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने वारदात के समय सक्रिय नए सिम और फोन नंबरों के बीटीएस/सीडीआर खंगाले। साथ ही दर्जनों सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर बदमाशों का भागने का रूट ट्रेस किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गांधीनगर पुलिस टीम ने हरियाणा के फरीदाबाद क्षेत्र में दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान शहीद नगर (गाजियाबाद) निवासी वरिश मलिक (54) पुत्र शमसुद्दीन मलिक और आदर्श नगर (गाजियाबाद) निवासी सलमान (33) पुत्र मीनू मलिक के रूप में हुई है। एसएचओ पुष्पा कसोटिया ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर ठगी गई 21 लाख रुपये की नकदी और गहनों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। साथ ही गिरोह के अन्य नेटवर्क के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

घायल युवक की चार दिन बाद जयपुर के अस्पताल में मौत

बसई पुलिया पर क्षतिग्रस्त सड़क और गड्ढों के कारण चार दिन पहले सड़क हादसा हो गया था

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड क्षेत्र के बसई पुलिया पर क्षतिग्रस्त सड़क और गड्ढों के कारण चार दिन पहले हुए सड़क हादसे में घायल बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। अजय सिंह का जयपुर में उपचार चल रहा था, जहां गुरूवार शाम उसने दम तोड़ दिया। शुक्रवार को मेहाड़ा पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

> ■ गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से से बचने के प्रयास में सामने से आ रही गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी थी

ढाणी सुराजी पाटन निवासी रतन सिंह ने बताया कि उसका भाई अजय सिंह (37) पुत्र जगदीश सिंह ट्रक चालक था। 13 सितंबर को अजय सिंह मेहाड़ा में खाना खाने के बाद बाइक से बसई नदी स्थित बजरी प्लांट की ओर जा रहा था। वह बसई पुलिया पर पहुंचा तो सड़क पर बने गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से से बचने के प्रयास के दौरान सामने से आ रही गाड़ी ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घायल अजय सिंह को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल लाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे पहले झुंझुनूं और बाद में जयपुर रेफर कर दिया। जयपुर में उपचार के दौरान गुरूवार शाम उसकी मौत हो गई। मृतक अजय सिंह विवाहित था। उसके दो बेटे देवेंद्र (12) और सौरव (11) हैं। हादसे में अजय की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। उसका भाई रतन सिंह मजदूरी करता है। ग्रामीणों ने बताया कि बसई पुलिया की क्षतिग्रस्त सड़क और गड्ढों को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं होने से यहां हादसों का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग से पुलिया की सड़क की तत्काल मरम्मत करवाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके। मेहाड़ा थाने के एएसआई विद्याधर ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मृतक के भाई की ओर से रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार दम्पती और बेटे की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 758 पर यश पावन धाम के पास शुक्रवार को एक बेकाबू कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची बीगोद थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर बीगोद अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

पुलिस के अनुसार हादसा एनएच 758 पर यश पावन धाम के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में सदर थाना क्षेत्र के गाडरियों का खेड़ा निवासी भगवान लाल, उनकी पत्नी देउ देवी और पुत्र रतन लाल की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर के बाद कार चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बीगोद थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और यातायात सुचारू करवाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से गांव गाडरियों का खेड़ा में मातम पसरा हुआ है।

सीकर में युवक से 17.38 लाख की ठगी

सीकर, (निसं)। सीकर में युवक के प्राइवेट फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस में केस दर्ज करवाने की धमकी देकर ठगों ने 17.38 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित युवक ने शिकायत में बताया कि फेसबुक के जरिए एक महिला से जान-पहचान हुई। महिला ने बातचीत करना शुरू कर दिया। महिला से वीडियो कॉल पर भी बातचीत होने लगी। इस दौरान महिला ने मेरे प्राइवेट फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर लिए। एक दिन महिला ने कहा कि मेरे पति ने प्राइवेट फोटो और वीडियो देख लिए हैं, जिन्हें वायरल करेगा और पुलिस में मुकदमा करवाएगा। इसके बाद महिला ने अलग-अलग बैंक खातों में 17.38 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए लिए। पुलिस को शक है कि महिला किसी साइबर गिरोह से जुड़ी हुई है। इस तरह से लोगों को अपने जाल में फंसाकर फोटो और वीडियो रिकॉर्ड करती है। फोटो वायरल करने या मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी देकर ठगी करती है।

जयपुर सचिवालय के सहायक शासन सचिव पर धोखाधड़ी का आरोप

अलवर की एक महिला ने बेटे को अनुकंपा नियुक्ति दिलाने के नाम पर 66 हजार रुपए मांगने और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया

अलवर, (निसं)। अलवर की एक महिला ने जयपुर सचिवालय में कार्यरत सहायक शासन सचिव के खिलाफ बेटे को अनुकंपा नियुक्ति दिलाने के नाम पर 66 हजार रुपए मांगने और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। अलवर निवासी पुलिसकर्मी स्व. मनोज कुमार यादव की पत्नी बिमला देवी ने शहर के अरावली विहार थाना पुलिस में गुरुवार रात को मामला दर्ज कराया। पुलिस ने शिक्षा (आयोजना) विभाग जयपुर में कार्यरत सहायक शासन सचिव दुर्गा सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवेकानंद नगर निवासी बिमला देवी ने शिकायत में बताया कि मेरे पति

> ■ पीड़ित महिला ने शहर के अरावली विहार थाना में मामला दर्ज कराया

मनोज कुमार यादव पुलिस विभाग में करौली जिले में कार्यरत थे। ड्यूटी के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद मैंने अपने बेटे कुलदीप यादव की अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। इसी सिलसिले में मेरी और मेरे जेठ धारा सिंह यादव की मुलाकात सचिवालय में कार्यरत दुर्गा सिंह से हुई थी। परिवादी ने ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर के स्क्रीनशॉट भी पुलिस को सौंपे हैं।

महिला बिमला का आरोप है कि दुर्गा सिंह ने मेरे बेटे को अनुकंपा नियुक्ति जल्द दिलवाने का भरोसा दिया। इसके बाद दस्तावेजों की प्रक्रिया और अधिकारियों के चाय-पानी के खर्च के नाम पर अलग-अलग समय पर रुपए लिए। परिवाद के अनुसार अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 के बीच फोन-पे के जरिए कुल 51 हजार रुपए दिए गए। इसके बाद भी 15 हजार रुपए मांगे। महिला के अनुसार कुल 66 हजार रुपए दिए गए। बिमला देवी के जेठ धारा सिंह यादव का आरोप है कि रकम लेने के बावजूद बेटे की नियुक्ति नहीं करवाई गई। जब मैंने रुपए वापस मांगे तो पहले आश्वासन दिए गए। बाद में आरोपी ने मेरा फोन ब्लॉक कर दिया। महिला ने लेन-देन का रिकॉर्ड और बातचीत की रिकॉर्डिंग भी होने की बात कही है।

वहीं इस मामले में दुर्गा सिंह ने कहा कि मैंने बिमला देवी से कई साल पहले 65 हजार रुपए उधार लिए थे। जिसे अब वापस करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि एक फाइल से जुड़ा मामला भी था, लेकिन वर्तमान में मुझे उस फाइल के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर रकम लेने के आरोप से अलग अपना पक्ष रखा है।

महिला ने इस मामले में पहले पुलिस को शिकायत दी थी। अब अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में ही आरोपों और लेन-देन से जुड़े तथ्यों की स्थिति स्पष्ट होगी।

भीलवाड़ा के एमजी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही से नवजात की मौत

परिजनों का आरोप है कि वरिष्ठ डॉक्टरों की गैरमौजूदगी और जूनियर कर्मचारियों के भरोसे इलाज छोड़ने से यह हादसा हुआ है

भीलवाड़ा, (निसं)। महात्मा गांधी (एमजी) अस्पताल में प्रसव के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों की कथित अनदेखी के कारण एक नवजात शिशु की मौत हो गई, जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जोरदार हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि वरिष्ठ डॉक्टरों की गैरमौजूदगी और जूनियर कर्मचारियों के भरोसे इलाज छोड़ने से यह हादसा हुआ है।

पीड़ित प्रसूता किरण कंवर (पत्नी चंदन सिंह) के जेठ हेमेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रसूता का नियमित इलाज एमजी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में चल रहा था। गत 5 तारीख को कराई गई सोनोग्राफी रिपोर्ट में जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह सुरक्षित व स्वस्थ थे। परिजनों के अनुसार, डिलीवरी के वक्त मुख्य डॉक्टर स्वयं आने के बजाय जूनियर स्टाफ को आगे कर गए। स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने एन वक्त पर हाथ खड़े कर दिए, जिसके चलते नवजात ने दम तोड़ दिया।

स्थानीय पार्षद सत्यवीर सिंह राठौड़ ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटना के 16 घंटे बीत जाने के बाद भी न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी परिजनों से मिलने आया और न ही मौत का कोई स्पष्ट कारण बताया गया। अस्पताल प्रबंधन के इस संवेदनहीन रवैये से परिजनों में भारी रोष है। पीड़ित परिवार और स्थानीय प्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ-साथ दोषी डॉक्टरों व स्टाफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

चिड़ावा में हथियार लेकर घूम रहे युवक को दबोचा

झुंझुनूं/चिड़ावा, (निसं)। कस्बे के व्यापारियों के मोहल्ले में सरेआम हाथ में धारदार गंडासा लेकर घूम रहे एक युवक को चिड़ावा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार गंडासा जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू कर दिया है।

पुलिस के अनुसार 17 सितंबर को सूचना मिली थी कि व्यापारियों के मोहल्ले, टेकड़े के पास एक युवक हाथ में गंडासा लेकर घूम रहा है और आने-जाने वाले लोगों में भय का माहौल पैदा कर रहा है। सूचना पर उप निरीक्षक बलबीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए। व्यापारियों के मोहल्ले में पहुंचने पर मुखबिर द्वारा बताए हुलिए का एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर वह वहां से भागने का प्रयास करने लगा, जिस पर पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम वसीम अकरम पुत्र अब्दुल हमीद निवासी वार्ड नंबर 13, व्यापारियों का मोहल्ला, कॉलेज के पास, चिड़ावा बताया। पुलिस द्वारा उसकी तलाशी लेने पर उसके हाथ में एक धारदार गंडासा मिला।

जोधपुर से पुलिस को चकमा देकर भागा तस्कर कोटा से गिरफ्तार

आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर झालावाड़ और कोटा क्षेत्र की तरफ फरारी काट रहा था

जोधपुर, (कासं)। डांगियावास थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पकड़ा है। वह 117.370 किलोग्राम डोडा-पोस्त तस्करी मामले में पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी धायलों की ढाणी बिसलपुर निवासी नरेश पुत्र लादुराम विश्नोई वर्ना गाड़ी में भारी मात्रा में अवैध डोडा-पोस्त भरकर अपने घर लेकर आया था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी के ठिकाने पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी मौके पर ही अपनी वर्ना कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली। उसमें 117.370 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ था। इसे पुलिस ने जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। घटना के बाद आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर झालावाड़ और कोटा क्षेत्र की तरफ फरारी काट रहा था।

डांगियावास थाना पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कोटा में छिपा हुआ है। इस पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए नयापुरा कोटा से आरोपी नरेश को दस्तयाब कर लिया।

थानाधिकारी राजूराम काला ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया है। प्राथमिक अनुसंधान में तस्करी में इस्तेमाल की गई वर्ना कार के चोरी के होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आरोपी से डोडा-पोस्त की खरीद-फरोख्त और गाड़ी के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है।

डोडा-पोस्त साहित महिला को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की झंवर पुलिस ने आतुणी ढाणी में रहवासीय मकान पर रेड देकर महिला इंद्रा को पांच किलो से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया।

झंवर पुलिस थानाधिकारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि आतुणी ढाणी जोलियाली में एक महिला के यहां पर अवैध डोडा-पोस्त मिल सकता है। इस पर एसआई देवाराम ने मय टीम के रेड दी। पुलिस ने महिला के घर की तलाशी में 5 किलो 830 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया।

गंगापुर सिटी में बरसात के बाद खेतों में पानी भरा, बाजरे की फसल खराब

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी और आसपास के इलाकों में गुरुवार देर शाम हुई तेज बारिश का असर शुक्रवार को भी दिखा। शुक्रवार सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे, जिससे दिन में अंधेरा रहा। इस बारिश से कई खेतों में पानी भर गया और कटी हुई बाजरे की फसल भी भीग गई, जिससे किसानों को नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने शनिवार को भी गंगापुर सिटी सहित सवाई माधोपुर जिले के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

तहसील कार्यालय के अनुसार, गुरुवार को गंगापुर सिटी में 85 मिमी, तलावड़ा में 37 मिमी और वजीरपुर में 37 मिमी बारिश दर्ज की गई। गंगापुर सिटी में ज्यादा बारिश के कारण कई जगहों पर पानी भर गया, जिससे पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। तहसील कार्यालय के कानूनगो रामभरोसी ने बताया कि गुरुवार शाम से शुक्रवार सुबह 8 बजे तक गंगापुर सिटी में 85 मिमी यानी 3 इंच से ज्यादा बारिश हुई। उन्होंने यह भी बताया कि 1 जनवरी से अब तक कुल 793 मिमी और 1 जून से अब तक 721 मिमी बारिश हो चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 839 मिमी बारिश दर्ज हुई थी, यानी इस साल पिछले साल की तुलना में 125 मिमी बारिश कम हुई है। हालांकि, गंगापुर सिटी की औसत बारिश करीब 600 मिमी है, जो इस साल पार हो चुकी है।

गुरुवार की बारिश से इलाके के कई गांवों में खेतों में पानी भर गया। इन दिनों बाजरे और तिल की फसलें पकने वाली हैं। कई किसानों ने बाजरे की कटाई शुरू कर दी थी। कटाई के बाद खेतों में पड़ी फसल बारिश में भीग गई, जिससे नुकसान होने की आशंका है। वहीं, कई खेतों में बाजरे और तिल की फसल अभी भी खड़ी है। किसानों को चिंता है कि अगर शनिवार को भी बारिश होती है, तो उनकी तैयार फसल को और ज्यादा नुकसान हो सकता है।

वाहन चोर गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल ले जाते हुए मुख्य सरगना मनमोहन उर्फ गोलू उर्फ गूंगा (28) निवासी यादव मोहल्ला को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की गई, जबकि पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर झाड़ियों के बीच बने खंडहरों में छिपाकर रखी गई दो और मोटरसाइकिलें बरामद की गई। सीआई राजेश खटाना ने बताया कि 5 सितंबर को सुरेंद्र ने थाने में बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

हादसे में पिता-पुत्री की मौत

कोटा, (निसं)। सांगोद थाना इलाके में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक बाइक पर सवार युवक व उसकी बेटी की हादसे में मौत हो गई, जबकि युवक की पत्नी व ढाई साल का मासूम बालक सहित अन्य बाइक सवार घायल हो गया। घायलों को अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार सोहेल खान अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चों के साथ मोड़क में एक रिश्तेदार के शोक सभा में गया था, जहां से सांगोद होते हुए करवाड़ गांव लौट रहा था। सांगोद क्षेत्र में सामने से तेज गति से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सोहेल खान और उनकी बेटी अलीजा की मौत हो गई।

सांगोद थानाधिकारी पवन मीणा ने बताया कि करवाड़ निवासी सोहेल परिवार सहित सांगोद होते हुए बाइक से करवाड़ जाते समय सांगोद से घानाहेड़ा की ओर जा रही दूसरी बाइक मालबावड़ी के पास तेज रफ्तार और गलत दिशा में आ गई। दोनों बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

पाटन के किशोरपुरा में खनन गतिविधियों के लिए रास्ते को लेकर विवाद गहराया

प्रभावित खातेदारों ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना खातेदारी एवं शामलात भूमि से आवागमन के लिए रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है

पाटन, (निसं)। किशोरपुरा क्षेत्र में खनन गतिविधियों के लिए रास्ते को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। प्रभावित खातेदारों ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना खातेदारी एवं शामलात भूमि से खनन सामग्री के आवागमन के लिए रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने और कृषि भूमि को अस्त-व्यस्त किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

ग्रामीणों के अनुसार खनन गतिविधियों के लिए पूर्व में वन विभाग की भूमि से निकलने वाले रास्ते को प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा बंद करवाया गया था। इसके बाद खनन सामग्री के परिवहन के लिए खातेदारों की कृषि भूमि से वैकल्पिक रास्ता निकालने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई है। प्रभावित खातेदारों का कहना है कि रास्ते के लिए सभी संबंधित भूमि मालिकों की सहमति नहीं ली गई। खातेदारों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति ने अपनी भूमि से रास्ता देने की सहमति दी है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि अन्य खातेदारों की भूमि में बिना अनुमति प्रवेश किया जाए या उनकी खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाया जाए। ग्रामीणों ने मामले को भूमि अधिकार, फसल सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए प्रशासन से तत्काल मौके का निरीक्षण करवाने की मांग की है। प्रभावित खातेदारों ने बिना सहमति खातेदारी भूमि से निकाले जा रहे रास्ते की वैधानिक स्थिति स्पष्ट करने, फसल को हुए नुकसान का पंचनामा तैयार करवाने तथा नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है। साथ ही यह भी जांच करने की मांग की गई है कि खातेदारी भूमि से रास्ता निकालने की अनुमति किसके आदेश से दी गई तथा राजस्व रिकॉर्ड में इसकी क्या स्थिति दर्ज है।

> ■ ग्रामीणों ने खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने और कृषि भूमि को अस्त-व्यस्त किए जाने का भी आरोप लगाया
>
> ■ सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मीणा ने कहा कि यह प्रकरण पूर्व में भी एनजीटी तक पहुंच चुका है और ग्रामीणों के साथ हुई घटना को लेकर वे दोबारा एनजीटी का रुख करेंगे

वहीं खान मालिकों का कहना है कि रास्ते का डायवर्जन किया गया है और रास्ते को सुचारू रूप से शुरू करने के लिए एनजीटी द्वारा जिला प्रशासन को आदेशित किया गया है। दूसरी ओर वन विभाग की ओर से अपनी भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मीणा ने आरोप लगाया कि खान मालिकों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रशासन किस हद तक जा सकता है, इसकी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह प्रकरण पूर्व में भी एनजीटी तक पहुंच चुका है और ग्रामीणों के साथ हुई घटना को लेकर वे दोबारा एनजीटी का रुख करेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कानूनी प्रयास किया जाएगा।

ग्रामीणों ने मांग की है कि भूमि एवं रास्ते की वास्तविक वैधानिक स्थिति स्पष्ट होने तक विवादित मार्ग से खनन वाहनों का आवागमन रोका जाए तथा किसी भी प्रकार के दबाव, धमकी या जबरदस्ती की शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

अन्ता एसडीएम के विरुद्ध रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा ने अंता के उपखण्ड अधिकारी हवाई सिंह यादव के विरूद्ध रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि एसीबी कोटा को परिवादी द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई।

परिवादी ने शिकायत में कहा कि उसकी प्लानिंग की भूमि पर पूर्व उपखण्ड अधिकारी द्वारा लगाई गई आपत्ति को हटाने की एवज में वर्तमान उपखण्ड अधिकारी अन्ता जिला बारां हवाई सिंह यादव द्वारा पांच लाख रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। इसके अतिरिक्त, एक अन्य प्लानिंग की भूमि के एग्रीमेन्ट पर लगे स्टे को हटाने की एवज में भी एसडीएम द्वारा 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग किए जाने की शिकायत की गई। एसीबी, कोटा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शिकायत का नियमानुसार गोपनीय सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी हवाई सिंह यादव, उपखण्ड अधिकारी, अन्ता द्वारा परिवादी की प्लानिंग की भूमि के एग्रीमेन्ट पर लगे स्टे को हटाने की एवज में 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग किया जाना पाया गया। परिवादी द्वारा रिश्वत राशि कम करने का अनुरोध किए जाने पर एसडीएम द्वारा 45 हजार रुपये लेने पर सहमति व्यक्त की गई तथा उक्त रिश्वत राशि अपने कथित दलाल को देने के लिए कहा गया। गोपनीय सत्यापन के पश्चात् आरोपी एसडीएम को प्रस्तावित ट्रैप कार्रवाई की भनक लग जाने के कारण रिश्वत राशि के लेन-देन की कार्रवाई नहीं हो सकी। सत्यापन के दौरान रिश्वत राशि की मांग किया जाना पाए जाने पर हवाई सिंह यादव, उपखण्ड अधिकारी, अन्ता, जिला बारां के विरुद्ध रिश्वत मांग का प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसीबी बारां द्वारा किया जाएगा। अनुसंधान के दौरान प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।